अब तक हुए पाँच सत्रों की औसत कार्य –उत्पादकता 122 प्रतिशत रही : लोक सभा अध्यक्ष -

...

17 वीं लोक सभा में व्यापक चर्चा के बाद 107 विधेयक पारित हुए : लोक सभा अध्यक्ष

..

नियम 377 के तहत 90 % मामलों का उत्तर दिया जा रहा है : लोक सभा अध्यक्ष

...

नई दिल्ली, 18 जून, 2021: सत्रहवीं लोक सभा के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन परिसर में प्रेस से बातचीत की।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि 17वीं लोक सभा के पहले दो सालों की यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक रही है। उन्होंने आगे कहा, कि कोविड-19 की चुनौती के बावजूद लोक सभा के अब तक संपन्न पाँच सत्रों में सभी माननीय सदस्यों ने अपने संवैधानिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

सत्रहवीं लोक सभा की रिकॉर्ड कार्य-उत्पादकता के बारे में बताते हुए. श्री बिरला ने जानकारी दी कि अब तक के पांच सत्रों की औसत कार्य उत्पादकता 122 प्रतिशत रही। श्री बिरला ने यह भी कहा कि इन दो सालों में 17वीं लोक सभा में व्यापक चर्चा के बाद 107 विधेयक पारित हुए जिसमे लगभग 263 घंटे का समय लगा। यह अवधि सभा के आवंटित समय से अधिक थी। श्री बिरला ने आगे यह भी बताया कि इन विधेयकों पर चर्चा में कुल 1744 सदस्यों ने भाग लिया।

प्रश्न काल के महत्व का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि 17वीं लोक सभा के अब तक आयोजित पांच सत्रों में प्रति बैठक मौखिक प्रश्नों के दिए गए उत्तरों का औसत 5.37 है जो पिछली चार लोक सभा में सर्वाधिक है। पेपरलेस कार्यप्रणाली और डिजिटल तकनीक के विषय में श्री बिरला ने कहा कि अधिकाधिक संसदीय पत्रों को डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 17वीं लोक सभा के पांचवे सत्र के दौरान 90 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों के ई-नोटिस प्राप्त हुए।

श्री बिरला ने शून्य काल में माननीय सदस्यों को पर्याप्त समय व् अवसर देने के बारे में कहा कि शून्य काल में माननीय सदस्य अपने संसदीय क्षेत्रों की समस्याओं को सदन के सामने रखते हैं ताकि कार्यपालिका उन मामलों के शीघ्र सामाधान के लिए अपेक्षित कदम उठा सके। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण से शून्य काल बहुत महत्वपूर्ण है।

नियम 377 के अधीन मामलों के बारे में श्री बिरला ने कहा कि इन मामलों के संबंध में मंत्रालयों से प्राप्त उत्तरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि अब लगभग 90% मामलों के उत्तर प्राप्त हो रहे हैं।

17वीं लोक सभा में की गई कुछ नई पहलों के बारे में बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि संसद का रिसर्च विंग नीतिगत मुद्दों और अन्य विषयों के बारे में प्रासंगिक जानकारी संसद सदस्यों को शोध, संदर्भ विधायी और पृष्ठभूमि टिप्पण के रूप में ऑनलाइन उपलब्ध कराते हुए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि माननीय सांसदों की सुविधा के लिए संसद ग्रंथालय से पुस्तकों की होम डिलीवरी की सुविधा भी आरम्भ की गयी है।

श्री बिरला ने आगे कहा कि भारतीय लोकतंत्र समय की कसौटी पर खरा उतरा है। हमारा देश शक्तिशाली हो रहा है और विकास की दिशा में अग्रसर है। भारत की प्राचीन लोकतान्त्रिक विरासत की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र सशक्त एवं मज़बूत है और सदैव रहेगा।